Under CSR Support by Ipca | Foundation missiongyan

अध्याय - 3 | सामाजिक संस्थाओं को समझना

QUIZ-01

1. **कार्यात्मक दृष्टिकोण सामाजिक संस्थाओं की भूमिका को किस रूप में देखता है?**
   A. वे केवल अमीरों के हित में कार्य करती हैं।
   B. वे समाज की सामान्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उत्पन्न होती हैं।
   C. वे व्यक्तिगत स्वतंत्रता को पूरी तरह से प्रतिबंधित करती हैं।
   D. वे हमेशा सरकार द्वारा बनाई जाती हैं। (B)

व्याख्या: कार्यात्मक दृष्टिकोण मानता है कि सामाजिक संस्थाएँ समाज की आवश्यकताओं को पूरा करने और सामाजिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए बनती हैं।

2. **मातृस्थानिक व्यवस्था में नवविवाहित जोड़ा कहाँ रहता है?**
   A. पति के माता-पिता के साथ
   B. एक अलग घर में
   C. पत्नी के माता-पिता के साथ
   D. सरकार द्वारा आवंटित घर में (C)

व्याख्या: मातृस्थानिक व्यवस्था में विवाहित जोड़ा पत्नी के माता-पिता के साथ रहता है।

3. **जब पुरुष शहरी क्षेत्रों में पलायन कर जाते हैं और महिलाएं परिवार का प्रबंधन करती हैं, तब किस प्रकार का परिवार बनता है?**
   A. एकल परिवार B. संयुक्त परिवार
   C. पितृसत्तात्मक परिवार D. महिला-प्रधान परिवार (D)

व्याख्या: जब पुरुष परिवार का भरण-पोषण नहीं करते, तो महिलाएं परिवार की जिम्मेदारी संभालती हैं और ऐसे परिवार महिला-प्रधान कहलाते हैं।

4. **उस विवाह को क्या कहते हैं जिसमें एक स्त्री के एक से अधिक पति होते हैं?**
   A. बहुपत्नीत्व B. बहुपतित्व
   C. एकपत्नी विवाह D. क्रमिक एकपत्नी विवाह (B)

व्याख्या: बहुपतित्व वह प्रकार है जिसमें एक स्त्री के एक से अधिक पति होते हैं।

5. **जर्मनी में एकीकरण के बाद विवाह दर में गिरावट का मुख्य कारण क्या था?**
   A. कड़े धार्मिक नियम B. जन्म दर में वृद्धि
   C. राज्य की कल्याणकारी योजनाओं की वापसी
   D. महिला-प्रधान परिवारों में वृद्धि (C)

व्याख्या: एकीकरण के बाद राज्य की सामाजिक सुरक्षा योजनाएं वापस ली गईं जिससे आर्थिक असुरक्षा बढ़ी और विवाह दर घटी।

6. **संघर्षवादी दृष्टिकोण के अनुसार, शिक्षा और स्तरीकरण (stratification) के बीच क्या संबंध है?**
   A. शिक्षा सभी असमानताओं को समाप्त करती है।
   B. शिक्षा सभी छात्रों को समान रूप से लाभ देती है।
   C. शिक्षा एक स्तरीकरण एजेंट के रूप में कार्य करती है।
   D. शिक्षा केवल व्यक्तिगत प्रतिभा को बढ़ावा देती है। (C)

व्याख्या: संघर्षवादी दृष्टिकोण के अनुसार, शिक्षा सामाजिक असमानताओं को बनाए रखने और बढ़ाने का कार्य करती है।

7. **आधुनिक समाज में राज्य को किस आधार पर परिभाषित किया जाता है?**
   A. गोत्र और जाति प्रणाली
   B. धार्मिक संस्थाओं का जाल
   C. प्रभुत्व (sovereignty) और राजनीतिक ढांचा
   D. पारिवारिक शासन (C)

व्याख्या: राज्य एक राजनीतिक संरचना है जिसमें कानून और प्रभुत्व होता है और वह किसी निश्चित क्षेत्र पर शासन करता है।

8. **श्रम विभाजन (division of labour) का क्या अर्थ है?**
   A. परिवारों में भूमि का समान वितरण
   B. न्यायपालिका द्वारा कानूनों का वर्गीकरण
   C. उत्पादन प्रणाली में कार्यों का विशिष्टीकरण
   D. समाज में धार्मिक भूमिकाओं का वितरण (C)

व्याख्या: श्रम विभाजन कार्यों के विशेषीकरण और संगठन को दर्शाता है जो उत्पादन की प्रक्रिया में उपयोग होता है।

9. **समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से धर्म की एक मुख्य विशेषता क्या है?**
   A. यह केवल व्यक्तिगत आस्था का विषय है।
   B. इसका अन्य सामाजिक संस्थाओं से कोई संबंध नहीं होता।
   C. यह प्रतीकों और अनुष्ठानों से युक्त एक समुदाय आधारित प्रक्रिया है।
   D. यह धर्मनिरपेक्ष शिक्षा को बढ़ावा देता है। (C)

व्याख्या: धर्म में प्रतीक, अनुष्ठान और विश्वासियों का समुदाय शामिल होता है जो समाज के अन्य पहलुओं को प्रभावित करता है।

10. **आधुनिक समाज में धर्मनिरपेक्षता (secularisation) की विशेषता क्या है?**
    A. शिक्षा पर धार्मिक प्रभाव का बढ़ना
    B. सार्वजनिक जीवन में धर्म की भूमिका में कमी
    C. धार्मिक स्कूलों में अनिवार्य उपस्थिति
    D. सभी कानूनों का धार्मिक नियमों से प्रतिस्थापन (B)

व्याख्या: धर्मनिरपेक्षता उस प्रक्रिया को दर्शाती है जिसमें धर्म की भूमिका सार्वजनिक और संस्थागत जीवन में घट जाती है।

मिशन ज्ञान — जहाँ चाहें, वहाँ ज्ञान पाएं | 100% FREE! Video Courses | Quiz | PDF | Test Series | Download Mission Gyan App